

ॐ भद्र देव्यै चतुर्भुजाय नमः  
रुद्राय नमः ॥ ॥

पुनः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
पुनः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय

भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय

भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय

भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय

भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय

भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय  
भद्राय नमः ॥ ॥ ॐ मः वाय

ॐ भद्र देव्यै चतुर्भुजाय नमः  
रुद्राय नमः ॥ ॥

Abhinavagupta: Bhairavastotra (T.19 der Hs.). Darüber der Kolophon von Teil 22.

